सुशासन पत्रिका

सहगल फाउंडेशन

स्वच्छता दूर करने व निर्माण स्वच्छ गांवों का निर्माण

सहगल फाउंडेशन 1,000 स्वच्छता दूरों की दोली तैयार करके नूह जिले में स्वच्छ गांवों के निर्माण करने की योजना पर काम कर रहा है। ये स्वच्छता संगठन स्वच्छ गांवों की रचना के लिए स्थानीय लोगों को कोलंबर दे रहे हैं। इन स्वच्छता दूरों को सहगल फाउंडेशन के यात्री सुशासन कार्यक्रम के तहत 2008 से अब तक प्रशिक्षित किए गए 10,000 लोगों में से 6 चुना गया है। ग्राम पंचायतों और सरकारी शिक्षा स्वच्छता और कर्मचारी प्रबंधन कार्यक्रमों के दौरान सामुदायिकों को एकजुट करने के लिए इन दौरों की मदद लेते हैं।

औरविविध गतिविधियाँ

स्वच्छ और स्वस्थ गांवों की रचना के उद्देश्य को केंद्र में रखते हुए इस कार्यक्रम का प्राथमिक औरविविध यह है कि 2019 तक भारत को स्वच्छ बनाने के लिए शुभ किये गए दौर के सबसे महत्वपूर्ण गतिविधि स्वच्छता दूरों के निर्माण के लिए 1,000 ग्रामिणों को एकजुट किया जाए। यह लक्ष भारत की आबादी की खुशहाली और सौंच, दोनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

सहगल फाउंडेशन के लगभग 50 पीवीसी स्टूडियो के सदस्य इस कार्यक्रम में नेतृत्वकारी मूल विश्वास निर्माण रखे हैं। इसके अलावा, फाउंडेशन ने अपने स्वच्छता के नूह जिले के एक स्वच्छ जिले में स्वाभाविक रूप से सुपारी रहने की भी युवाओं तरफ से आए तस्करों के लिए विभिन्न पक्ष का प्रयोग किया जा रहा है।

सुशासन पत्रिका, अप्रैल, 2017
न्यूज जिले के नगीना ब्लॉक में रिश्ता विभाग गांव के स्वच्छता सेवनी जाकर के अनुसार "नवंबर 2016 से शहरसद सागर अक्टूबर नियन्त्रण का प्रयास करने से हमने स्वच्छ गांव मिशन में सहभागिता की थी। अब हमे स्वच्छता सागर करने से सहभागिता मिशन में सतर्क हो, वहां स्वच्छता सागर के बारे में पता किया था। इस समय अगर देखा तो यह स्वच्छता के लेखन 30-40 हज़ार परिसर देशी शौचालय आया था। रिश्ता विभाग ने भी स्वच्छता का नियन्त्रण करने के लिए प्रयास करने के उद्देश्य से मैंने पंचायत तथा दूसरे स्वच्छता सागर के लेखन करके रिश्ता विभाग की आयोजन कराने और सामने-सामने जाकर लोगों को इस बारे में बताया।

हमारी कौशलों का निरीक्षण यह हुआ है कि अब गांव के तकनीकी 90 प्रतिशत घरों में शौचालय बने हुए हैं और इन्हें नियमित रूप से उनका प्रयोग कर रहे हैं। न्यूज़ जिले के नगीना ब्लॉक में रिश्ता विभाग गांव के संंय कुमार, फ़खरुद्दीन, कस्मीरी और 12 दूसरे गांव शामल कर शौचालय उपेक्षा बनाने का प्रयास कर रहे हैं। रिश्ता विभाग शर्मा से देशी गांव के अन्तर्गत स्वच्छता की नियमित खाता एवं आयुक्त नियंत्रक की कौशलों से बढ़ी मदद मिली है। अगर दिलों ने राजन न्यूज किया धारकों को कि यह नौसिका में ने के ऐसे परिसर की राजन न दे जिनके घर में शौचालय नहीं है।

न्यूज़ जिले के नगीना ब्लॉक में रिश्ता नीतिक प्रांगण के स्वच्छता तुरों ने भी स्वच्छता अभियान के लिए गांव के साथ साथ लोगों को एफ्कूट किया है। छोटा दिन तक वह स्वच्छता अभियान में गांव के 72 लोगों ने हिस्सा लिया। इस दौरान गांव की मवेशीं और गर्दनियों से लागू दो 40 टूटी धुंधल और कचरा निकाला गया। गांव के अलग-अलग बिंदुओं पर अस्थायी निकासी व्यवस्था विकसित की गई ताकि गांव पानी वहां जमा न हो सके। स्वच्छता अभियान के दौरान 80,000 रूपये की बीच में भी इकट्ठा की गई। इससे पहले लोगों के सड़कों पर धुंधल, कवरे और गंध पानी का ही जमावड़ा होता था अतः अब यहां गांव में सफाई दिखाई देना लगा है। यह दो महीने पहले सहस्त्र फाउंडेशन द्वारा शौचालय किए गए स्वच्छता दूरों के कार्यक्रम के बाद का बदलाव है।

न्यूज ब्लॉक में रिश्ता राजनीति गांव में स्वच्छता दूरों के प्रयासों से 35 शौचालय का निर्माण किया गया है। सहस्त्र फाउंडेशन की सहायता व प्रेरणा से इन दूरों ने न केवल लोगों को शौचालय के निर्माण के लिए प्रेरित किया है बल्कि इससे इस बात पर भी जोर दिया है कि लोगों के व्यवहार में बदलाव लाना जाता है ताकि सभी शौचालय का इस्तेमाल करने की आदत पैदा हो और वे उपयोगी रूप से शौचालय का उपयोग कर रहे। इसके लिए राजनीति-जुलुस, बैठक, घर-घर अभियान, स्वच्छता विभाग अभियान का उपयोग करी किया अब तक न केवल दर्दन बिंदुओं व्यवहार में भी बदलाव का सुझाव दिया कि जाकर।

देविका मोंटूर, राजनीति नीति जनकलाल, सहस्त्र फाउंडेशन

**बदलाव की दृष्टि:**

**स्वच्छ विभाग, रायपुर, पुन्हाना**

ग्रामीण शासन में समूह की सहभागिता से बहुत सारे लोकार्पण प्रयास किए जा सकते हैं। ग्राम, यहाँ तक कार्यरतों के लिए लोगों का क्षमताप्रद होता है, शासन ग्रामीण प्रशासन पर जयादा सहायता और सहायता शासन में समूह की सहभागिता के साथ, शासन ग्रामीणी नेताओं को बढ़ावा देने के लिए, सामाजिक एवं राजनीतिक हालात, स्वातंत्र्य शासन की प्रति, शासन के लिए लोगों की सहभागिता का करना चाहती है।

न्यूज़ जिले के नगीना ब्लॉक के रायपुर गांव के सन्ताल जिला को गुरु नामक गांव में स्वच्छता के मामलों में दूसरा पुरस्कार मिला है। यह अनुभूति समूह की नेताओं, शौचालय के अध्यक्षों और स्वच्छ विभाग समिति के सदस्यों की प्रति, शासन के लिए लोगों की सहभागिता का करना चाहती है।
आज रायपुर मिटिल स्कूल पूरे नूह जिले के लिए एक प्रकाश स्तंभ बनाया गया है। यह प्रकाश स्तंभ का लाभ लेने वाले लोगों के लिए प्रेरणा देने के लिए उपयोगिता का एक उपाय है।

सन्तोष सिन्हा के सुंदर भाषाओं के साथ हम आज रायपुर मिटिल स्कूल के लिए एक प्रकाश स्तंभ में सहायता करने का प्रयास करते हैं। रायपुर मिटिल शैक्षणिक सदस्यों के लिए एक ऐसी मिटिल भाषा की है जो इन लोगों को लाभ लाने के लिए उपयोगी है।

इसके लिए, हम आज रायपुर मिटिल स्कूल के लिए एक प्रकाश स्तंभ सजाने का प्रयास करते हैं। हम इस प्रकाश स्तंभ का लाभ लेने वाले लोगों के लिए प्रेरणा देने का प्रयास करते हैं।
सुशासन चैंपियन : स्थानीय स्तर पर परिवर्तन के पथप्रदर्शक (शृंखला संख्या 1)

पिछले आठ साल के दौरान, सहगल फाइंडिंग ने हरियाणा के नून गिले में आयोजित की गयी प्रामाण्य और ब्लॉक नेपुतल स्कूलियों में 10,000 से ज्यादा सामान्य नेताओं को प्रशिक्षण दिया है। इन नेताओं को सुशासन चैंपियन के नाम से संबोधित किया जाता है क्योंकि वे स्थानीय स्तर पर परिवर्तन का नेतृत्व कर रहे हैं। सामूहिक कार्यावस्थाओं और लगातार निगरानी के दम पर वे सरकारी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में उल्लेखनीय सुयोग लाने में सफल रहे हैं।

ग्राम विकास अभियान, राष्ट्रीय समाधियों और स्वच्छता निगरानी समितियों में उनकी शहीदगानियों से ये संघर्ष सहमति, सामर्थ्य, पारदर्शी और उत्तरदायी हुई है। गले ही हो ये बदलव बड़े दिखायी न देते हैं गर्म इसने डूबकों गांव वालों को लाम हुआ है।

इस अंक के साथ हम नयी शृंखला सुरु कर रहे हैं जिसके 2015-16 के दौरान सामने आये लाखों ब्लॉक के प्रकर सुशासन चैंपियनों के बारे में आपको बताएगे। ये ऐसे लोग हैं जो दूसरे इलाकों और लोगों को भी सुशासन चैंपियन बनने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

वचनांक नामक गांव में रहने वाली दिल्ली नेत्रहीन हैं। उनके गांव में लिखत सार्वजनिक स्वतंत्र प्रणाली (टी. पी. डी.एस.) के तहत लाभार्थियों का अन्य नहीं मिला पर रहा था।

इस रिश्ता को देखते हुए उन्होंने गांव के लोगों को एकत्रित किया और दिया पार्क से जाकर बात की। जिससे रिश्ता में सुधार आया। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि गांव के प्रत्येक व्यक्ति को वृद्धिवार्षिक पेंशन मिले। वह गांव के विकल्प व्यक्तियों को सरकारी अस्थायी भी लेने जाते हैं जोकि गांव से सब्ज मिली। वह अस्थायी में उन्हें मैदौल अमरिकेके दिल्ली हैं जो एवें पेंशन पाने के लिए एक अनिवार्य दस्तावेज होता है।

रंगपुर गांव की विद्यु, पूम, और सुमन ने अपने गांव में निगरानी संगठन का गठन किया है तथापि वे आंगनवाड़ी केन्द्र (आई.डी.आईएच.) और डी-डे-मील (एम.डी.एस.) के क्रियान्वयनों पर नजर व अंकुर पकड़ सकते हैं। इसके फलस्वरूप अब इन कार्यक्रमों के तहत बच्चों को बढ़ाई खाने मिलने लगा है। इन कार्यक्रमों पर रोजाना नजर रखना एक बड़ा महत्वपूर्ण काम है गर्म ये महिलाएं नेता। इस बात को महत्वपूर्ण समझती हैं कि गांव में बलात्कास में रहे सरकारी कार्यक्रमों पर नजर रखने की जिम्मेदार गांव के लोगों की ही बनती है।

उनका गांव अब कुहों में शौच की समस्या से पूरी तत्तव मुक्त हो चुका है। वे पंचायत की मदद से गांव के लोगों को इस बात का एहसास करा रहे हैं कि खुदें में शौच का बलात्कास पूरे समय द्वितीय के लिए हानिकारक है। इससे गांव में लीबियों के स्टेटमेन्ट की आवाज काफी बढ़ी है।

कलवाड़ी गांव की लक्ष्य और राजमार्ग ने बिजली को समय को हल करने के लिए गांव की महिलाओं को एकपूर्ण किया है। इस गांव में फसल दिन भर में सिर्फ 2-3 घंटे ही बिजली आती थी। इसके खिलाफ लोगों ने कई जगह शिकायत दर्ज करायी जहां गर्म हलात में कोई सुधार नहीं आ पर रहा था। यह उनके भारत विकल्प नहीं बता तो गांव की महिलाओं ने मेन रोड पर चकित जाम का पैसाला खिया जिससे आला पुलिस और जिला अधिकारियों को फॉर कार जाकर महिलाओं से बात करनी पड़ी।

उन्होंने महिलाओं को आश्वासन दिया कि बिजली की समस्या हल हो जाएगी। अब कलवाड़ी गांव में बिजली नियमित रूप से आये लगी है।

शासन व नीति जनवकालीन टीम, सहगल फाइंडिंग

“फॉन पुमाय, सूचना पाये, लाम उठाये”

नागरिक सूचना एवं सहायता केंद्र
टोल फ्री नंबर : 180030003182
फोन करने का समय : सुबह 7.00 से रात 7.00 बजे तक (सीमवार से शनिवार)

हमारा पता : प्लेट नं. 34, सेंटर 44 इंस्टीट्यूट्स्यूरल एरिया, गुरुग्राम, हरियाणा-122003
फोन : 0124-4744100 फैक्स : 0124-4744123
सम्पादकीय टीम : नवनीत नवकाल, विकास झा और सोनिया चोपड़ा